दिगंबर जैन महिला परिषद प्रांतीय विशिष्ट अधिकारी भारती जैन और केंद्रीय परम संरक्षिका पूजा जैन के सहयोग से संपन्न

नेहरू नगर शाखा का रक्तदान शिविर सफल, 50 से अधिक लोगों ने किया महादान; 150 मरीजों को मिलेगा जीवन

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्रांतीय विशिष्ट अधिकारी भारती जैन एवं केंद्रीय परम संरक्षिका पूजा जैन के सहयोग सेअखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, पद्मावती संभाग, नेहरू नगर शाखा द्वारा आपोलो सेज हास्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मानव सेवा और जनकल्याण की भावना से आयोजित यह शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर में परिषद की बहनों एवं समाज के भाइयों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लगभग 50 से अधिक समाजबंधुओं ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी योगदान दिया। आयोजकों ने बताया कि एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचती है, इस हिसाब से इस रक्तदान से लगभग 150 लोगों को लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम का आयोजन दिगंबर जैन युवा महासभा महिला शाखा की अध्यक्ष व परिषद की प्रांतीय विशिष्ट अधिकारी भारती जैन एवं केंद्रीय परम संरक्षिका पूजा जैन और अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, पद्मावती संभाग, नेहरू नगर शाखा की अध्यक्ष माधुरी-मनीष जैन के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिषद की बहनों ने समाज के अनेक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप कई समाजबंधुओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा के इस महायज्ञ में सहभागिता निभाई। परिषद की सक्रिय सदस्य कविता अनुरागी जैन ने स्वयं रक्तदान कर सेवा और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर के दौरान कुछ परिषद सदस्यों एवं समाजजनों की स्वास्थ्य जांच में रक्तचाप अथवा हीमोग्लोबिन की कमी पाई गई, जिसके कारण वे रक्तदान नहीं कर सके। इसके बावजूद उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं, पंजीयन और जलपान में सहयोग देकर अपनी सेवा भावना का परिचय दिया। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में परिषद द्वारा सभी रक्तदाताओं, सहयोगी सदस्यों, पदाधिकारियों,आपोलो सेज हास्पिटल के स्टाफ एवं आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी समाजबंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया गया। यह आयोजन सेवा, सहयोग और मानवता के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

परिषद की महिला सदस्य कविता अनुरागी जैन ने रक्तदान कर दी प्रेरणा

बच्चों में धर्म के ज्ञान के अभाव से टूट रहे हिंदुओं के परिवार : देवकीनंदन ठाकुर

रुद्राक्ष किंगस्टन, बावड़िया कला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का दूसरा दिन

भोपाल। धर्म के ज्ञान का अभाव ही हिंदुओं के परिवार टूटने की बड़ी वजह है। शिक्षा संस्थानों में हमें पैसा कमाने की शिक्षा तो दी जाती है, पर कोई भी विश्वविद्यालय हमें परिवार चलाने की शिक्षा नहीं देता। जब हमारे बच्चों को धर्म का ज्ञान हो जाएगा तो परिवार टूटने से बच जाएंगे।

प्रख्यात कथावाचक व धर्माचार्य देवकीनंदन ठाकुर ने ये उद्गार बावड़िया कला के रुद्राक्ष किंगस्टन परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मुसलमान के बच्चे सही मायने में मुसलमान हैं, क्योंकि उन्हें कुरान का ज्ञान है। ईसाइयों के बच्चे सही मायने में ईसाई हैं, क्योंकि उन्हें बाइबल का ज्ञान है। जबकि, हिंदुओं के बच्चे ईमानदार हिंदू नहीं हैं, उन्हें रामायण, गीता, भागवत और धर्म का ज्ञान नहीं है। इनको छोटी उम्र से धर्म का

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने की आरती, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल।

ज्ञान देने की जरूरत है। बच्चों को सेवा भाव सिखाएं। शालिग्राम डेवलपर्स रुद्राक्ष किंग्स्टन के सहयोग से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन की कथा में मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुरैना-शिवपुरी के सांसद शिवमंगल सिंह, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा पंडाल खचाखच भरा रहा।

पुरुषोत्तम मास के भक्ति रस में हजारों श्रद्धाभाव के क्षण

नर्मदा पूजन एवं 33 दीपों की आरती के साथ होगा समापन

सच प्रतिनिधि.भोपाल

पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) के पावन अवसर पर श्री अथर्वशीर्ष मंडल कोलार द्वारा अमरनाथ पिपलेश्वर महादेव मंदिर, नगर पालिका रोड, कोलार रोड भोपाल स्थित विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का माहभर सफल आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह से परिपूर्ण इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

माहभर चले आयोजनों की शुरुआत 17 मई को आयोजित सामूहिक पवमान अभिषेक से हुई, जिसमें भगवान विष्णु, शालिग्राम एवं बालकृष्ण का पवमान सूक्त मंत्रों के वैदिक उच्चारण के साथ पवित्र जल, दूध एवं पंचामृत की

संततधार से अभिषेक किया गया। इस विशेष वैदिक अनुष्ठान में औषधीय वनस्पतियों का भी उपयोग किया गया। आयोजनकर्ता अमृत हळवे ने बताया कि इस अनुष्ठान में 25 दंपत्तियों ने सहभागिता कर अभिषेक एवं पूजा संपन्न की।

इसके पश्चात 28 मई को आयोजित नि:शुल्क सामूहिक श्री सत्यनारायण अभिषेक एवं पूजा में 35 दंपत्तियों ने सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में सहभागी 33वें दंपत्ति को लक्ष्मी-नारायण स्वरूप मानकर विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं परशुराम बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया का भी सम्मान किया गया। आयोजन पं. अमित अंभ्यकर, पं. दिलीप कुलकर्णी, पं. श्रीकृष्ण आठले एवं पं. समीर पटवर्धन के आचार्यत्व में संपन्न हुआ।

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र है : डॉ. निवेश सेहरा

भोपाल का प्रमुख मल्टी-स्पेशियलिटी सेंटर बना सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

सच प्रतिनिधि.भोपाल

राजधानी भोपाल के डीआरएम रोड, सेक्टर 3डी,साकेत नगर स्थित सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रमुख मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में उभर रहा है। यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के साथ उन्नत उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल में हृदय रोग, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स जैसी प्रमुख सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध हैं। मरीजों को यहां एक ही छत के नीचे जटिल से जटिल बीमारियों के लिए उन्नत इलाज की सुविधा मिलती है। सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की एक प्रमुख विशेषता यह कि यहां 24 घंटे उपलब्ध आपातकालीन सेवाएं हैं, जिससे गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार मिल पाता है। अस्पताल में अत्याधुनिक आईसीयू सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जो गंभीर स्थिति वाले मरीजों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करती हैं।

भोपाल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सेवाओं को नई दिशा दे रहे डॉ. निवेश सेहरा

राजधानी भोपाल में चिकित्सा क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ डॉ. निवेश सेहरा को शहर के प्रमुख गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट और लिवर विशेषज्ञों में गिना जाता है। वे अपनी विशेषज्ञता और मरीज-केंद्रित उपचार पद्धति के लिए जाने जाते हैं। डॉ. निवेश सेहरा सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संस्थापक और प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और लिवर रोगों के उपचार के क्षेत्र में आधुनिक और उन्नत चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया गया है।

विशेषज्ञता और चिकित्सा दृष्टिकोण

डॉ. सेहरा को पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों, लिवर डिसऑर्डर और जटिल गैस्ट्रो संबंधी समस्याओं के उपचार में विशेष अनुभव प्राप्त है। वे मरीजों के इलाज के साथ-साथ रोग की रोकथाम और जीवनशैली सुधार पर भी जोर देते हैं। उनका मानना है कि सही समय पर निदान और जागरूकता से कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। इसी सोच के साथ वे मरीजों को सरल और प्रभावी चिकित्सा परामर्श प्रदान करते हैं। डॉ. सेहरा का मानना है कि चिकित्सा केवल बीमारी का इलाज नहीं है, बल्कि मरीज को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उनका मरीजों के साथ संवादात्मक और सरल व्यवहार उन्हें एक भरोसेमंद चिकित्सक के रूप में स्थापित करता है।

चिकित्सक विशेषज्ञ डॉ.अंकुर पाठक दे रहे स्वास्थ्य सेवाएं, मरीजों को मिल रहा लाभ

सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में जनरल फिजिशियन के रूप में सेवाएं प्रदान कर रहे डॉ. अंकुर पाठक की चिकित्सा क्षेत्र में एक अलग पृष्ठभूमि है। वे बुखार, सर्दी-खांसी, वायरल संक्रमण, पेट संबंधी समस्याओं सहित सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में मरीजों की मदद करते हैं। अस्पताल में कार्य अनुभव के दौरान वे लगातार मरीजों की देखभाल और प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

भाभा यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय वर्कशॉप, छात्रों को मिली इंटरव्यू और पर्सनैलिटी स्किल्स की ट्रेनिंग

भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग द्वारा छात्रों के कम्युनिकेशन, इंटरव्यू स्किल्स और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया।यह वर्कशॉप स्किल डेवलपमेंट ट्रेनर योगिता यश रावत के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

जिसमें छात्रों को प्रोफेशनल जीवन के लिए आवश्यक संचार कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। पहले दिन छात्रों को अपने करियर लक्ष्य समझने, आत्मविश्वास बढ़ाने और प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से छात्रों ने आत्म-प्रस्तुति और सकारात्मक सोच पर काम किया। दूसरे दिन इंग्लिश ग्रामर और कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्रों ने पार्ट्स ऑफ स्पीच और सही भाषा प्रयोग के व्यावहारिक अभ्यास किए, साथ ही ग्रुप डिस्कशन के जरिए अपनी समझ को और मजबूत किया। तीसरे दिन छात्रों को मंच पर भाषण देने का अवसर मिला, जिससे उन्होंने सार्वजनिक बोलने (पब्लिक स्पीकिंग) के डर को दूर करने का अभ्यास किया।

एनईपी 2020 तहत लागू होगा तीसरी भाषा का विकल्प

केवीएस में कक्षा 6 और 9 के लिए संस्कृत का एक सेक्शन अनिवार्य

भोपाल। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से देशभर के केंद्रीय विद्यालयों में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक बदलाव की घोषणा की है। इसके तहत छठी और नौवीं कक्षा में संस्कृत का कम से कम एक सेक्शन अनिवार्य रूप से संचालित किया जाएगा। यह निर्णय नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और त्रिभाषा फॉर्मूले के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत लिया गया है।

केवीएस ने सभी केंद्रीय विद्यालयों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे समागम पोर्टल पर विद्यार्थियों की ओर से चुनी गई तीसरी भाषा का पूरा विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करें। इस व्यवस्था के अनुसार छात्र तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत या संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी क्षेत्रीय भाषा का चयन कर सकेंगे। यह भाषा हिंदी (पहली भाषा) और अंग्रेजी (दूसरी भाषा) से अलग होगी।

- केवीएस और सीबीएसई ने नई भाषा नीति के नियम स्पष्ट किए

केवीएस के अनुसार छात्रों को भाषा चयन की पूरी स्वतंत्रता दी जाएगी, ताकि वे अपनी रुचि और सुविधा के अनुसार निर्णय ले सकें। हालांकि, स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षणिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यालयों में संस्कृत का कम से कम एक सेक्शन अनिवार्य रखा गया है।

नीट समेत बड़ी परीक्षाओं के लिए अधिकारियों को ट्रेनिंग देगा एनटीए , शुरू किया नया कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने देशभर में आयोजित होने वाली अपनी परीक्षाओं के सुचारु, सुरक्षित और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा कर्मयोगी-कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम शुरू किया है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है जो एनटीए की ऑफलाइन (पेन एंड पेपर) परीक्षाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें सेंटर सुपरिंटेंडेंट, निरीक्षक और अन्य परीक्षा कर्मी शामिल हैं।

एनटीए के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नीट (यूजी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में कार्यरत परीक्षा अधिकारियों को बेहतर तरीके से तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

आरटीआई मामले में सीआईसी सख्त, सीबीएसई को उत्तर-पुस्तिका खरीद टेंडर का खुलासा करने का आदेश

भोपाल। सेंट्रल इंफॉर्मेशन कमीशन (सीआईसी) ने सीबीएसई को निर्देश दिया है कि वह कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए खरीदी गई उत्तर-पुस्तिकाओं, उनकी खरीद प्रक्रिया, टेंडर से जुड़ी जानकारी और परीक्षा पर हुए खर्च का विवरण आरटीआई के तहत उपलब्ध कराए। आयोग ने कहा कि ऐसी जानकारी को पॉइंट-वाइज कैटेगरीकल रूप से सार्वजनिक करें। आरटीआई के तहत जानकारी देने से सीबीएसई के पहले इनकार को सीआईसी ने खारिज कर दिया। आयोग ने सीबीएसई को नया और संशोधित जवाब देने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, उसे आरटीआई एक्ट की धारा 10 के तहत हटाया जा सकता है। यदि किसी जानकारी को धारा 8(1)(डी) के तहत देने से मना किया जाता है, तो उसके लिए स्पष्ट और उचित कारण बताना होगा।

यह मामला एक आरटीआई आवेदन से शुरू हुआ था, जिसमें 2023-24 और 2024-25 की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में इस्तेमाल हुई उत्तर-पुस्तिकाओं से जुड़ी जानकारी मांगी गई थी। आवेदक ने आंसर बुक की गुणवत्ता, पेजों की संख्या, आकार, खरीद लागत, कुल खर्च, जीएसटी भुगतान और इन्हें खरीदने के लिए अपनाई गई टेंडर प्रक्रिया का पूरा विवरण मांगा था। सीबीएसई ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं में इस्तेमाल होने वाली उत्तर-पुस्तिकाओं के पेपर की गुणवत्ता 60 जीएसएम से 120 जीएसएम के बीच थी। इन कॉपियों में 8, 20, 32, 40 और 48 पेज होते थे तथा उनका आकार 22गुणा28 सेमी और 37.5 गुणा54.5 सेमी था। बोर्ड ने यह भी कहा कि उत्तर-पुस्तिकाओं के वजन से संबंधित कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। हालांकि, सीबीएसई ने उत्तर-पुस्तिकाओं की खरीद लागत, खरीदी गई कुल संख्या और उन पर हुए कुल खर्च की जानकारी देने से इनकार कर दिया। बोर्ड ने इसके लिए ऋऋझ्र अधिनियम की धारा 8(1)(ई) का हवाला दिया।

सीआईसी ने सीबीएसई के जवाब पर क्या कहा?

टेंडर प्रक्रिया, भाग लेने वाली कंपनियों, उनकी दरों और विक्रेता चयन से जुड़ी जानकारी देने से सीबीएसई ने इनकार करते हुए इसे परीक्षा से संबंधित गोपनीय और संवेदनशील मामला बताया। बोर्ड ने यह भी कहा कि परीक्षा खर्च का रिकॉर्ड वित्तीय वर्ष के आधार पर रखा जाता है, इसलिए मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच एक्सप्रेस पर। आवेदन के लिए लिंक करें www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंड: सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथि: 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/nation-al-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- विवरण: नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंड: आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभ: रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथि: 15-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

इंडिया हाई फ्लायर अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2026-27

- विवरण: इंडिया हाई फ्लायर अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2026-27 बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय छात्रों को प्रदान की जा रही है, जो विश्वविद्यालय में निर्धारित पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं।
- मानदंड: आवेदन उन भारतीय छात्रों के लिए जारी है जिनके पास बर्मिंघम विश्वविद्यालय के कैंपस में सितंबर 2026 से शुरू होने वाले पूर्णकालिक पूर्वस्नातक कार्यक्रम के लिए प्रस्ताव प्राप्त है। आवेदकों को विदेशी शुल्क भुगतानकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया जाना आवश्यक है और उन्हें नामांकन प्राप्त होने पर 31 अक्टूबर तक अपनी कुल शिक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें विश्वविद्यालय के किसी एक स्थानीय प्रतिनिधि के माध्यम से पंजीकृत और आवेदन करना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: एक वर्ष की शिक्षण शुल्क हेतु 5,000
- अंतिम तिथि: 30-06-2026
- आवेदन कैसे करें: विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/IHFS2
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/india-high-fliers-undergraduate-scholarships-2026-271777356352.png

आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड 2026

- विवरण: इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा पूर्वस्नातक इंजीनियरिंग छात्रों को अपनी रचनात्मकता, नवाचार और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य भारत में उभरती हुई इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को पहचानना और उनका सहयोग करना है, ताकि वे उत्कृष्टता हासिल कर सकें।
- मानदंड: यह स्कॉलरशिप एआईसीटीई/यूजीसी-स्वीकृत संस्थानों के किसी भी वर्ष में अध्ययनरत सभी ब्रांचों के पूर्णकालिक यूजी इंजीनियरिंग छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों ने अपने सभी क्रेडिट पाठ्यक्रम एक ही प्रयास में उत्तीर्ण किए हों और उनके कुल अंक न्यूनतम 60 प्रतिशत (या 10-पॉइंट स्केल पर 6.0 प्त्ऱ्ाक्ए) हों। इस छात्रवृत्ति हेतु कोई आयु सीमा लागू नहीं है।
- इनाम/लाभ: रुपए 20,00,000 मूल्य राशि की छात्रवृत्ति
- अंतिम तिथि: 15-06-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/IET6
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/iet-india-scholarship-award-20261777350174.png